वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का कृषि क्षेत्र में सहकारिता के जनांदोलन का आह्वान

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और कृषि राज्य मंत्री श्रीकैलाश चौधरी के साथ आईआईसीटीएफ का ब्रोशर जारी करते हुए

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कृषि में सहकारी क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए जनांदोलन का आह्वान किया है। आज नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेले (आईआईसीटीएफ) के बारे में अपने संबोधन में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सहकारिता क्षेत्र की वास्तविक संभावनाओं का उपयोग करने के लिए वाणिज्य और कृषि मंत्रालय के एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, कृषि सचिव श्री संजय अग्रवाल और कृषि मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री पीयूष गोयल ने किसानों और कृषि आधारित उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस सरकार के गठन के बाद कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ उनकी तीन विचार-विमर्श बैठक हुई हैं। इनमें दोनों मंत्रियों ने 2024-2025 तक कृषि निर्यात को 2.75 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर लगभग सात लाख करोड़ रुपये करने के ढांचे को स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। श्री पीयूष गोयल ने यह भी घोषणा की कि भारत में सहकारी समितियों के लिए एक आदान-प्रदान मंच के रूप में एक सहकारिता क्षेत्र निर्यात संवर्धन फोरम की स्थापना की जाएगी।

किसानों के सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए श्री पीयूष गोयल ने कहा कि कृषि, सरकार का एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है और सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आईआईसीटीएफ एक विशिष्ट अवधारणा और अवसर है, जो कृषि सहकारिता के व्यापक आंदोलन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाएगा।

इस अवसर पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री के साथ केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने 'लोगो' का अनावरण किया और नई दिल्ली में 11 से 13 अक्टूबर, 2019 तक आयोजित होने वाले आईआईसीटीएफ का ब्रोशर भी जारी किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस व्यापार मेले में जनजातीय सहकारी समितियों को विशेष छूट दी जाएगी।

*****

आर.के.मीणा/आरएनएम/एएम/आईपीएस/आरके/वाईबी/जीएस-

(Release ID: 1576691)

किसानों, कारीगरों और सहकारी समिति के अन्य सदस्यों को सीधे तौर पर विश्व व्यापार क्षेत्र में ले जाने की विशिष्ट पहल -प्रथम भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला (आईआईसीटीएफ) का प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 11 से 13 अक्तूबर, 2019 तक आयोजन

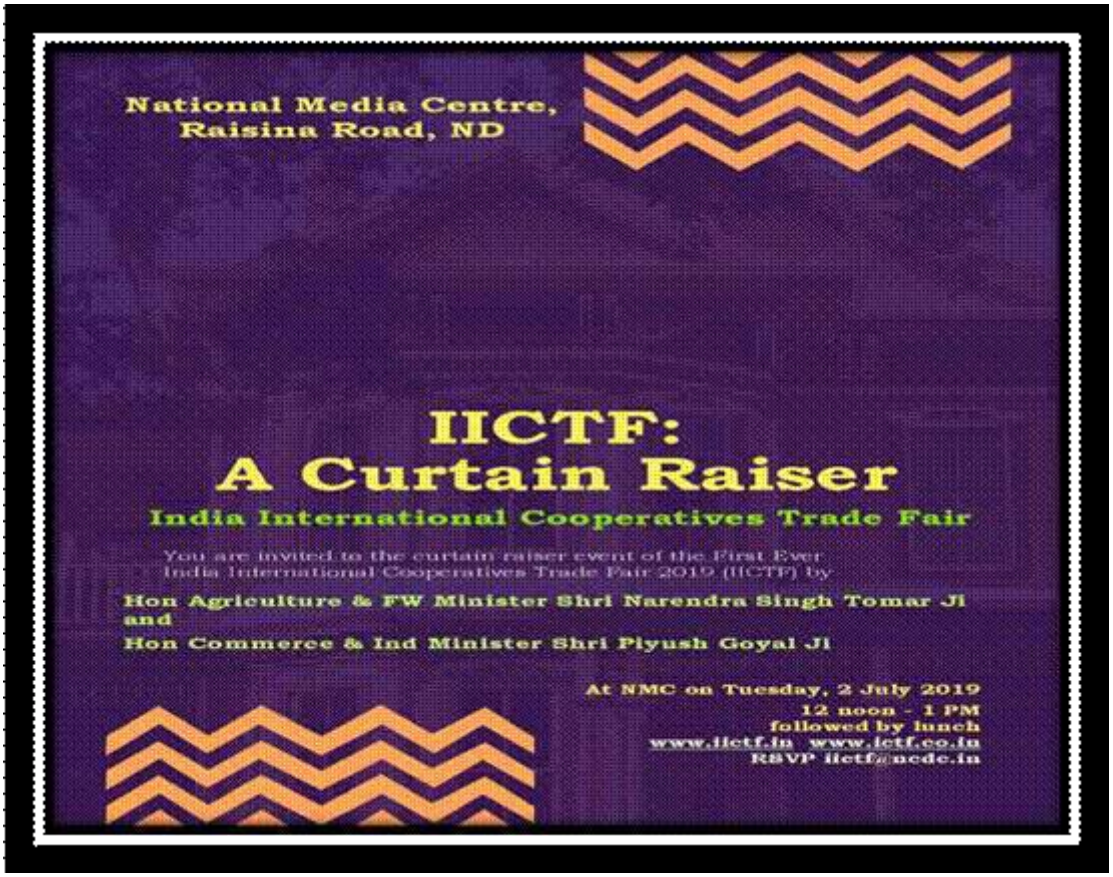

कृषि निर्यात को दोगुना करने और भारतीय किसानों और कृषि उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत करने के लक्ष्य वाली कृषि निर्यात नीति, 2018 के अनुरूप प्रथम भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला (आईआईसीटीएफ) प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 11 से 13 अक्तूबर, 2019 तक आयोजित होने जा रहा है। एनसीडीसी द्वारा निर्देशित यह मेला एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन (एनईडीएसी), तीन मंत्रालयों, चार राज्य सरकारों और अनेक शीर्ष स्तरीय भारतीय सहकारी संगठनों की सहायता से आयोजित किया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय मेले में बड़ी संख्या में भारतीय सहकारी समितियों और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी संगठनों के भाग लेने की संभावना है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय खरीदार सहकारी, कॉर्पोरेट, निजी, सरकार से हो सकते हैं, लेकिन आईआईसीटीएफ प्रदर्शकों/विक्रेताओं/खरीदारों को शामिल करता है, जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की पूर्ण मूल्य श्रृंखलाओँ, कोल्ड चेन, डेयरी, जिन्सों, निर्यात, प्रौद्योगिकी, जलवायु के अनुरूप कृषि, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण, मशीनरी, ब्रांड का प्रचार, विपणन, सहकारी-बैंकिंग, कृषि-तकनीक, साइबर-सुरक्षा, मवेशी, मत्स्य पालन, हथकरघा, हस्तशिल्प, कपड़ा, उपभोक्ता सामान, खुदरा

आतिथ्य, बीमा, वित्त, ऋण, स्वास्थ्य सेवाएं, महिला समूहों के उत्पाद और क्षमता विकास जैसे कोआपरेटिव-टू-कोआपरेटिव व्यापार पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

इस व्यापार मेले का उद्देश्य भारत और विदेशों में कोआपरेटिव-टू-कोआपरेटिव व्यापार को बढ़ावा देना है, जिससे ग्रामीण और कृषि समृद्धि में वृद्धि हो सके। इस मेले के दौरान सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, बी2 बी बैठकों, सी2सी बैठकों, बिक्री संवर्धन, विपणन और उत्पादों के प्रदर्शन के साथ व्यापार, नेटवर्किंग, नीति प्रचार आदि का आयोजन किया जाएगा। इसकी बदौलत प्रतिभागियों को भारत और विदेश के सहकारी संगठनों के साथ व्यापार की संभावनाओं का पता लगाने और सहयोग करने के अपार अवसर प्राप्त होंगे।

यह व्यापार मेला भारत और विदेश के उद्योग और व्यापारिक घरानों को गठबंधन करने, व्यापार नेटवर्किंग करने, प्रोडक्ट सोर्सिंग और सबसे बढ़कर उत्पादों और सेवा प्रदाताओं की विस्तृत श्रृंखला के प्राथमिक उत्पादकों के साथ बातचीत करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। आईआईसीटीएफ के बारे में अधिक जानकारी वेबसाइट www.iictf.in या www.ictf.co.in से प्राप्त की जा सकती है। मेले के लिए वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण चालू है।

निर्यात नीति में परिकल्पित कृषि निर्यात को वर्तमान में 30 बिलियन डॉलर+ से दोगुना करते हुए 2022 तक 60 बिलियन डॉलर + तक ले जाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सहकारी क्षेत्र को कृषि बड़ी भूमिका निभानी होगी। इसी के लिए हाल ही में एनसीडीसी में एक सहकारी क्षेत्र निर्यात संवर्धन मंच स्थापित किया गया है। अनुमानित तौर पर 94 प्रतिशत भारतीय किसान कम से कम किसी एक सहकारी संस्था के सदस्य हैं। आईआईसीटीएफ सहकारी समितियों द्वारा अपने सदस्यों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने के साथ निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख मंच होगा। इन सदस्यों में मुख्य रूप से किसान, कारीगर, महिलाएं, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति आदि शामिल हैं।

प्रमुख जिन्सों/अधिक संभावनाओं वाले मूल्य श्रृंखला उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के कार्य को, हितदाता संस्थाओं की प्रविष्टियों की भागीदारी सहित विशिष्ट प्रचार पहलों के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है। इनसे **किसानों की आय दोगुनी करने** और **कृषि-निर्यात नीति 2018** के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा।

आयोजन के मीडिया आमंत्रण को देखने के लिए यहां क्लिक करें।

*****

आर.के.मीणा/आरएनएम/एएम/आरके/एम –1826

(Release ID: 1576487)

किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से, पहला भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला 11-13 अक्टूबर, 2019 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित

युवा उद्यमियों पर केन्द्रित सरकार के स्टार्ट-अप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया की तर्ज पर, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर 100 करोड़ रूपये सलाना खर्च वाली युवा सहकार-सहकारी उद्यम और नवोन्मेष योजना-2019 की शुरूआत करेंगे।

पहला भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला (आईआईसीटीएफ) 11-13 अक्टूबर, 2019 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित होगा। चूंकि भारत के कुल किसानों का 94 प्रतिशत किसान कम से कम किसी एक सहकारी संस्थान के सदस्य हैं, आईआईसीटीएफ का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की संकल्पना को आगे ले जाना और भारत और विदेश में सहकारी संगठनों के बीच व्यापार को बढ़ावा देकर किसानों की आमदनी को दोगुना करना, प्रमुख कृषि उत्पादों तथा ग्रामीण और कृषि समृद्धि को बढ़ाने वाले उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है। आईआईसीटीएफ ने भारत और विदेश के उद्योग और व्यवसाय से जुड़े घरानों के लिए भारी अवसरों की पेशकश की है ताकि वे मैत्रीपूर्ण संबंध कायम कर सकें, बिजनेस नेटवर्किंग, उत्पाद की सोर्सिंग कर सकें और विभिन्न उत्पादों और सेवा प्रदाताओं के प्रमुख उत्पादकों के साथ बातचीत कर सकें।

इस मेले को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहले से ही भारी समर्थन मिल रहा है। 120 से अधिक भारतीय सहकारी और केन्द्र/राज्य/संघ शासित प्रदेशों के 20 संगठन तथा 6 महाद्वीपों के 35 देशों ने आईआईसीटीएफ में भाग लेने के लिए प्रदर्शनी बूथ खरीदे हैं। मेले में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बेल्जियम, भूटान, ब्राजील, चीन, कोलंबिया, फिजी, जर्मनी, ईरान, इजरायल, जापान, जॉर्डन, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल, नाइजीरिया, फिलीपींस, रूस, स्पेन, श्रीलंका, सेनेगल, थाईलैंड, तंजानिया, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

नए और नवोन्मेष विचारो के साथ युवा उद्यमियों पर केन्द्रित स्टार्ट-अप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसे कार्यक्रमों पर सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिए जाने की तर्ज पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ने **युवा सहकार-सहकारी उद्यम सहायता और नवोन्मेष योजना-2019 तैयार की है, जिसकी शुरूआत 11 अक्टूबर, 2019 को मेले के उद्घाटन समारोह के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा की जाएगी। इस योजना का सलाना खर्च 100 करोड़ रुपये है।** यह योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र, नीति आयोग द्वारा पहचाने गए आकांक्षापूर्ण जिलों में चल रहे पंजीकृत सहकारी संगठनों, शत प्रतिशत महिलाएं/अनुसूचित जाति/अनुसूची जनजाति/पीडब्ल्यूडी सदस्यों वाले सहकारी संगठनों के लिए उदार है।

सहकार भारती एकमात्र ऐसा सबसे बड़ा संगठन है जो सहकारिता आंदोलन के लाभों के बारे में जनता को जागृत कर रहा है। मेले के उद्घाटन पर इसकी 'सिम्पली देसी ब्रांड' की शुरूआत करने और उसका प्रदर्शन करने की योजना है।

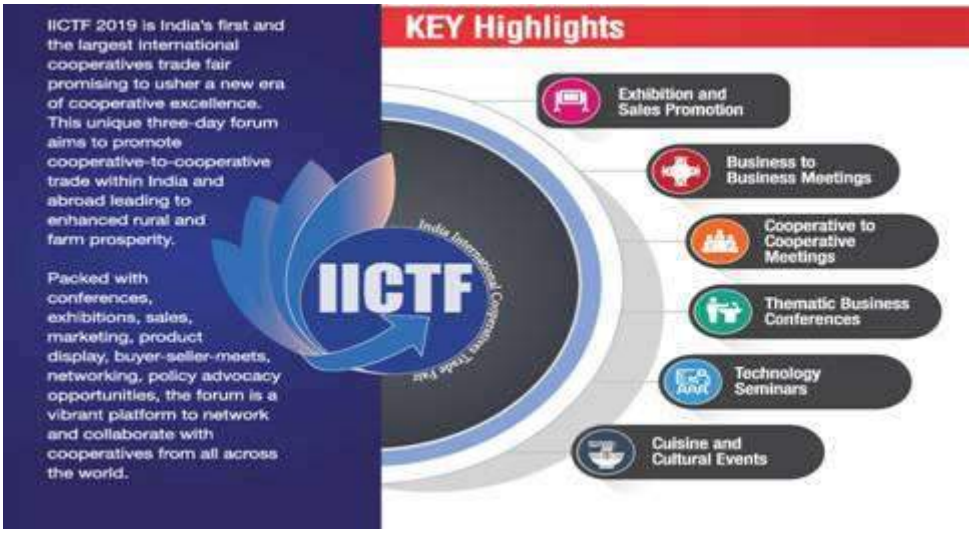

कृषि निर्यात नीति, 2018 की परिकल्पना के अनुसार कृषि निर्यात को मौजूदा 30 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर वर्ष 2022 तक 60 बिलियन डॉलर तक ले जाने में सहकारी क्षेत्र को चुनौतीपूर्ण भूमिका निभानी होगी। भारतीय सहकारी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण मंच के रूप में आईआईसीटीएफ की कल्पना की गई है और इसके तहत प्रदर्शनियों, बी2बी/सी2सी बैठकों, सम्मेलनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया जाएगा। आईआईसीटीएफ कृषि और संबद्ध इकाइयों, सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला, कोल्ड चेन, डेयरी, जिंस, निर्यात, प्रौद्योगिकी, जलवायु के अनुकूल कृषि, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण, मशीनरी, ब्रांड का प्रचार, विपणन, सहकारी बैंकिंग, कृषि प्रौद्योगिकी और अन्य विविध प्रकार के क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश-विदेश के प्रदर्शकों/विक्रेताओं/खरीददारों को कवर करता है। इस मेले के तहत वैश्विक परिदृश्य में सहकारी व्यापार, कारोबार के विस्तार और वैविध्यकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सहकारी उत्पादों के लिए गुणवत्ता का मापदंड आदि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किए जाने की संभावना है। इस मेले के परिणामस्वरूप बेहतर पद्धतियों को साझा किए जाने, सहयोग और साझेदारियां कायम होने की संभावना है। भारतीय संदर्भ में यह मेला अधिक तादाद में सहकारी समितियों को निर्यात के क्षेत्र में कदम रखने तथा एक व्यवहार्य बिजनेस मॉडल के रूप में सहकारी समितियों को सामने लाने में सहायता प्रदान करेगा।

आईआईसीटीएफ के अभिन्न अंग के रूप में मेले के तीनों दिन सहकारी कारोबार पर विषयों पर आधारित सत्रों का आयोजन किया जाएगा। सहकारी समितियों से संबंधित नौ सत्र होंगे, जो सहकारी व्यापार के वैश्वीकरण, सहकारी बैंकिंग और वित्तीय समावेशन, सहकारी समितियों के माध्यम से युवकों और युवतियों को रोजगार, सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि प्रसंस्करण पारिस्थितकीय प्रणालियां, सहकारियों के माध्यम से कृषि-प्रौद्योगिकी और जलवायु के अनुकूल कृषि, किफायती और कुशल सेवा प्रदाताओं के रूप में सहकारी समितियां, सहकारी क्षेत्र में विशाल आंकड़े तथा साइबर सुरक्षा, मूल्यवर्धन और व्यापार के लिए डेयरी सहकारी समितियों के अवसर तथा कृषि यंत्रीकरण और सहकारी समितियों की आपूर्ति भूमिका जैसे विभिन्न पहलुओं को कवर करेंगे। इन सत्रों की अध्यक्षता जानी-मानी हस्तियां और विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का पैनल करेगा। इन सत्रों में कृषि से संबंधित सहकारी समितियों की भूमिका और भारतीय कृषि निर्यात नीति के आलोक में उनके संभावित योगदान के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह डिजिटीकरण के मौजूदा परिदृश्य में पारस्परिक रूप से सीखने का अवसर भी प्रदान करेगा।

यह मेला एनसीडीसी और बैंकॉक स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठन (एनईडीएसी) और भारत के प्रमुख संगठनों (नेफेड, एपीडा, आईटीपीओ आदि) द्वारा संयुक्त रूप से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय की सहायता से आयोजित किया जा रहा है। छह राज्यों/संघशासित प्रदेशों की सरकारें यथा तेलंगाना, हरियाणा, उत्तराखंड, पुड्डुचेरी, मेघालय और गोवा की सरकार आईआईसीटीएफ की साझेदार हैं। आईआईसीटीएफ को इफको, आईपीएल, आमूल, सीडीबी, यूपीएल, एफएओ, एनसीयूआई, एलआईएनएसी, एनएएफसीयूबी, एनएएफएससीओबी, एनसीसीडी आदि के साथ साझेदारी के माध्यम से भी सहायता प्रदान की जा रही है।

आईआईसीटीएफ फ्लाइअर देखने के लिए यहां क्लिक करें।

******

आर.के.मीणा/आरएनएम/एएम/केपी/आरके/डीके/डीएस – 3499

(Release ID: 1587567)

कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने पहले 'भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता व्यापार मेला' का उद्घाटन किया

सहकारिताएं किसानों की आय दोगुना करने और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को पूरा करने में अहम भूमिका निभायेंगी : श्री तोमर

कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज नई दिल्ली के प्रगति मैदान में पहले 'भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता व्यापार मेला' (आईआईसीटीएफ) का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आज से शुरू होकर 13 अक्टूबर, 2019 तक चलेगा। भारत के 94 प्रतिशत किसान किसी न किसी सहकारी संस्थान के सदस्य हैं। इसके मद्देनजर आईआईसीटीएफ ने भारत और विदेशों में सहकारिताओं के बीच व्यापार को प्रोत्साहन देने तथा प्रमुख कृषि उत्पादों के निर्यात संवर्धन के जरिये किसानों की आया दोगुनी करने के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित किया है।

उद्घाटन समारोह में श्री तोमर ने कहा कि आज का दिन भारत की पवित्र धरा पर एक गौरवशाली दिन है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन एनसीडीसी ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के सहयोग से किया है। श्री तोमर ने कहा कि इन तीनों के प्रयासों से आज न केवल भारत की सहकारिताएं बल्कि 35 देशों की सहकारिताएं इसमें हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिताएं किसानों की आय दोगुना करने और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यावस्थाआ के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रप मोदी के विज़न को पूरा करने में अहम भूमिका निभायेंगी।

श्री तोमर ने कहा कि सहकारिता भारतीय मूल्यों और संस्कृति का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एक ऐतिहासिक अवसर हैं, जिसमें देश में सहकारिताओं द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा होगी। उन्होंने अमूल का उदाहरण देते हुए कहा कि यह एक सहकारी संस्था है, जिसने बहुत सफलता प्राप्त की है।

***

आर.के.मीणा/आरएनएम/एएम/एकेपी/एसएस–3538

(Release ID: 1587860)

पहले भारत अंतर्राष्ट्रींय सहकारी व्यापार मेले (आईआईसीटीएफ) में 35 देशों ने भाग लिया

सरदार पटेल ने सहकारी क्षेत्र की आधारशिला रखी थी; सहकारी क्षेत्र को स्वा-नियमन से आगे बढ़ना चाहिए : श्री पीयूष गोयल

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने सहकारी क्षेत्र में अनुशासन और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आज नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेले (आईआईसीटीएफ) के समापन-सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सहकारी आंदोलन की आधाशिला सरदार पटेल ने रखी थी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मेले में 35,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और 4,000 से अधिक व्यापार से संबंधित पूछताछ की गई। मेले में राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, विदेश के गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने ई-कामर्स प्लेटफार्म के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के विपणन के तरीके भी सुझाये।

पूरी दुनिया में एक अरब से अधिक लोग सहकारी संगठनों के सदस्य हैं। विश्व में 30 लाख सहकारी संगठन है और दुनिया की लगभग 12 प्रतिशत आबादी सहकारी संगठनों से जुड़ी हुई है। विश्व की 13 प्रतिशत जनसंख्या वित्त सहकारी संगठनों से जुड़ी है, जबकि कुल कृषि उपज का 50 प्रतिशत, कृषि सहकारी संगठनों द्वारा पैदा किया जाता है।

तीन दिवसीय आईआईसीटीएफ में 75 सहमति-पत्रों पर हस्ताक्षर हुए। सहकारी व्यापार का वैश्वीकरण, सहकारी बैंकिंग व वित्तीय समावेश, सहकारी संगठनों के जरिये युवा और महिलाओं का सशक्तिकरण, सहकारी संगठनों के जरिये खाद्य प्रसंस्करण, सहकारी संगठनों के जरिये कृषि तकनीक तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि, डेयरी सहकारी संगठन आदि विषयों पर विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया।

स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया कार्यक्रमों के समान राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने युवाओं को ध्यान में रखकर युवा सहकार-सहकारी उद्यमिता सहायता व नवाचार योजना तैयार की है। आईआईसीटीएफ मेले में इस योजना की शुरूआत की गई। सहकार भारती ने सहकारी संगठनों के उत्पादों के विपणन व ब्रांडिंग के लिए 'सिम्पली देशी' ब्रांड को लांच किया।

***

आर.के.मीणा/आरएनएम/एएम/जेके/एसएस–3572

(Release ID: 1588006)